Introduction of Eighth Mahavidya Baglamukhi in Hindi

अष्टम महाविद्या बगलामुखी का परिचय

Sumit Girdharwal

+91-9540674788, +91-9410030994

sumitgirdharwal@yahoo.com

sumitgwal@gmail.com

www.baglamukhi.net

भगवती बगला सुधा-समुद्र के मध्य में स्थित मणिमय मण्डप में रत्नवेदी पर रत्नमय सिंहासन पर विराजती हैं। पीतवर्णा होने के कारण ये पीत रंग के ही वस्त्र, आभूषण व माला धारण किये हुए हैं। इनके एक हाथ में शत्रु की जिह्वा और दूसरे हाथ में मुद्गर है। व्यष्टि रूप में शत्रुओं का नाश करने वाली और समष्टि रूप में परम ईश्वर की सहांर-इच्छा की अधिस्ठात्री शक्ति बगला है।

श्री प्रजापति ने बगला उपासना वैदिक रीति से की और वे सृस्टि की संरचना करने में सफल हुए। श्री प्रजापति ने इस विद्या का उपदेश सनकादिक मुनियों को दिया। सनत्कुमार ने

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

इसका उपदेश श्री नारद को और श्री नारद ने सांख्यायन परमहंस को दिया, जिन्होंने छत्तीस पटलों में "बगला तंत्र" ग्रन्थ की रचना की। "स्वतंत्र तंत्र" के अनुसार भगवान् विष्णु इस विद्या के उपासक हुए। फिर श्री परशुराम जी और आचार्य द्रोण इस विद्या के उपासक हुए। आचार्य द्रोण ने यह विद्या परशुराम जी से ग्रहण की।

श्री बगला महाविद्या ऊर्ध्वाम्नाय के अनुसार ही उपास्य हैं, जिसमें स्त्री (शक्ति) भोग्या नहीं बल्कि पूज्या है। बगला महाविद्या "श्री कुल" से सम्बंधित हैं और अवगत हो कि श्रीकुल की सभी महाविद्याओं की उपासना अत्यंत सावधानी पूर्वक गुरु के मार्गदर्शन में शुचिता बनाते हुए, इन्द्रिय निग्रह पूर्वक करनी चाहिए। फिर बगला शक्ति तो अत्यंत तेजपूर्ण शक्ति हैं, जिनका उद्भव ही स्तम्भन हेतु हुआ था। इस विद्या के प्रभाव से ही महर्षि च्यवन ने इंद्र के वज्र को स्तंभित कर दिया था। श्रीमद् गोविंदपाद की समाधि में विघ्न डालने से रोकने के लिए आचार्य श्री शंकर ने रेवा नदी का स्तम्भन इसी महाविद्या के प्रभाव से किया था। महामुनि श्री निम्बार्क ने कस्सी ब्राह्मण को इसी विद्या के प्रभाव से नीम के वृक्ष पर, सूर्यदेव का दर्शन कराया था।

श्री बगलामुखी को "ब्रह्मास्त्र विद्या" के नामे से भी जाना जाता है। शत्रुओं का दमन और विघ्नों का शमन करने में विश्व में इनके समकक्ष कोई अन्य देवता नहीं है।

भगवती बगलामुखी को स्तम्भन की देवी कहा गया है। स्तम्भनकारिणी शक्ति नाम रूप से व्यक्त एवं अव्यक्त सभी पदार्थो की स्थिति का आधार पृथ्वी के रूप में शक्ति ही है, और बगलामुखी उसी स्तम्भन शक्ति की अधिस्ठात्री देवी हैं। इसी स्तम्भन शक्ति से ही सूर्यमण्डल स्थित है, सभी लोक इसी शक्ति के प्रभाव से ही स्तंभित है। अतः साधक गण को चाहिये कि ऐसी महाविद्या कि साधना सही रीति व विधानपूर्वक ही करें।

अब हम साधकगण को इस महाविद्या के विषय में कुछ और जानकारी देना आवश्यक समझते है, जो साधक इस साधना को पूर्ण कर, सिद्धि प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें इन तथ्यो की जानकारी होना अति आवश्यक है।

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

1) कुल : - महाविद्या बगलामुखी "श्री कुल" से सम्बंधित है।

2) नाम : - बगलामुखी, पीताम्बरा , बगला , वल्गामुखी , वगलामुखी , ब्रह्मास्त्र विद्या

3) कुल्लुका : - मंत्र जाप से पूर्व उस मंत्र कि कुल्लुका का न्यास सिर में किया जाता है। इस विद्या की कुल्लुका "ॐ हूं छ्रौम्" (OM HOOM Chraum)

4) महासेतु : - साधन काल में जप से पूर्व 'महासेतु' का जप किया जाता है। ऐसा करने से लाभ यह होता है कि साधक प्रत्येक समय, प्रत्येक स्थिति में जप कर सकता है। इस महाविद्या का महासेतु "स्त्रीं" (Streem) है। इसका जाप कंठ स्थित विशुद्धि चक्र में दस बार किया जाता है।

5) कवचसेतु :- इसे मंत्रसेतु भी कहा जाता है। जप प्रारम्भ करने से पूर्व इसका जप एक हजार बार किया जाता है। ब्राह्मण व छत्रियों के लिए "प्रणव ", वैश्यों के लिए "फट" तथा शूद्रों के लिए "ह्रीं" कवचसेतु है।

6) निर्वाण :- "ह्रूं ह्रीं श्रीं" (Hroom Hreem Shreem) से सम्पुटित मूल मंत्र का जाप ही इसकी निर्वाण विद्या है। इसकी दूसरी विधि यह है कि पहले प्रणव कर, अ , आ , आदि स्वर तथा क, ख , आदि व्यंजन पढ़कर मूल मंत्र पढ़ें और अंत में "ऐं" लगाएं और फिर विलोम गति से पुनरावृत्ति करें।

7) बंधन :- किसी विपरीत या आसुरी बाधा को रोकने के लिए इस मंत्र का एक हजार बार जाप किया जाता है। मंत्र इस प्रकार है " ऐं ह्रीं ह्रीं ऐं " (Aim Hreem Hreem Aim)

8) मुद्रा :- इस विद्या में योनि मुद्रा का प्रयोग किया जाता है।

9) प्राणायाम : - साधना से पूर्व दो मूल मंत्रो से रेचक, चार मूल मंत्रो से पूरक तथा दो मूल मंत्रो से कुम्भक करना चाहिए। दो मूल मंत्रो से रेचक, आठ मूल मंत्रो से पूरक तथा चार मूल मंत्रो से कुम्भक करना और भी अधिक लाभ कारी है।

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

10) दीपन :- दीपक जलने से जैसे रोशनी हो जाती है, उसी प्रकार दीपन से मंत्र प्रकाशवान हो जाता है। दीपन करने हेतु मूल मंत्र को योनि बीज " ईं " (EEM) से संपुटित कर सात बार जप करें

11) जीवन अथवा प्राण योग : - बिना प्राण अथवा जीवन के मन्त्र निष्क्रिय होता है, अतः मूल मन्त्र के आदि और अन्त में माया बीज "ह्रीं" (Hreem) से संपुट लगाकर सात बार जप करें ।

12) मुख शोधन : - हमारी जिह्वा अशुद्ध रहती है, जिस कारण उससे जप करने पर लाभ के स्थान पर हानि ही होती है। अतः "ऐं ह्रीं ऐं " मंत्र से दस बार जाप कर मुखशोधन करें

13) मध्य दृस्टि : - साधना के लिए मध्य दृस्टि आवश्यक है। अतः मूल मंत्र के प्रत्येक अक्षर के आगे पीछे "यं" (Yam) बीज का अवगुण्ठन कर मूल मंत्र का पाँच बार जप करना चाहिए।

14) शापोद्धार : - मूल मंत्र के जपने से पूर्व दस बार इस मंत्र का जप करें -
" ॐ ह्लीं बगले ! रूद्र शापं विमोचय विमोचय ॐ ह्लीं स्वाहा "

(OM Hleem Bagale ! Rudra Shaapam Vimochaya Vimochaya OM Hleem Swaahaa)

15) उत्कीलन : - मूल मंत्र के आरम्भ में " ॐ ह्रीं स्वाहा " मंत्र का दस बार जप करें।

16) आचार :- इस विद्या के दोनों आचार हैं, वाम भी और दक्षिण भी ।

17) साधना में सिद्धि प्राप्त न होने पर उपाय : - कभी कभी ऐसा देखने में आता हैं कि बार बार साधना करने पर भी सफलता हाथ नहीं आती है। इसके लिए आप निम्न वर्णित उपाय करें -

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

a) कर्पूर, रोली, खास और चन्दन की स्याही से, अनार की कलम से भोजपत्र पर वायु बीज "यं" (Yam) से मूल मंत्र को अवगुण्ठित कर, उसका षोडशोपचार पूजन करें। निश्चय ही सफलता मिलेगी।

b) सरस्वती बीज "ऐं" (Aim) से मूल मंत्र को संपुटित कर एक हजार जप करें।

c) भोजपत्र पर गौदुग्ध से मूल मंत्र लिखकर उसे दाहिनी भुजा पर बांध लें। साथ ही मूल मंत्र को "स्त्रीं" (Steem) से सम्पुटित कर उसका एक हजार जप करें

18) विशेष : - गंध,पुष्प, आभूषण, भगवती के सामने रखें। दीपक देवता के दायीं ओर व धूपबत्ती बायीं ओर रखनी चाहिए। नैवेद्य (Sweets, Dry Fruits) भी देवता के दायीं ओर ही रखें। जप के उपरान्त आसन से उठने से पूर्व ही अपने द्वारा किया जाप भगवती के बायें हाथ में समर्पित कर दें।

अतः ऐसे साधक गण जो किन्ही भी कारणो से यदि अभी तक साधना में सफलता प्राप्त नहीं कर सकें हैं, उपर्युक्त निर्देशों का पालन करते हुए पुनः एक बार फिर संकल्प लें, तो निश्चय ही पराम्बा पीताम्बरा की कृपा दृस्टि उन्हें प्राप्त होगी - ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है।

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya By Shri Yogeshwaranand Ji

Shri Baglamukhi Sadhana Rahasya is the upcoming book of my father and my guru Shri Yogeshwaranand Ji on Ma Baglamukhi. Only limited copies of this book are going to be published. If you want to secure your copy before all sold out please make a payment of Rs 680 into the below A/C
Sumit Girdharwal
Axis Bank
912020029471298
IFSC Code – UTIB0001094
After payment send your complete address and payment receipt to shaktisadhna@yahoo.com or sumitgirdharwal@yahoo.com. For more details please call on +91-9540674788, 91-9410030994

Feedback & Support

I am very pleased to say that we are taking a next step ahead in the field of spirituality by digitalizing all the available Sanskrit texts in the world related to secret mantras, tantras and yantras. In the first phase we will digitalize all the content provided by Shri Yogeshwaranand Ji regarding dus mahavidyas. We will not only make it available for Hindi and Sanskrit readers but also translate it into English so that whole world can get the benefits from our work. I can't do it alone. To do the same I request all of you to help me achieve this goal.

Requirements to accomplish this goal

1. We need a person who can write articles in Hindi and Sanskrit in software like Adobe Indesign (Preferable font chanakya) or Microsoft Office (Font Kruti Dev 020, Chanakya)
2. We need a graphic designer who can create good pictures to summarize the content.
3. We need an English translator who can translate these articles into English
4. Any financial support will be appreciated which is highly needed for this project to complete.

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

I am waiting for your feedback and support.
Sumit Girdharwal
+91-9540674788,
+91-9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com

sumitgwal@gmail.com

Dear readers! Very soon We are going to start an E-mail based monthly magazine related to tantras, mantras and yantras including practical uses for human welfare. I request you to appreciate me, so that I can change my dreams into reality regarding the service of humanity through blessings of our saints and through the grace of Ma Pitambara. Please make registered to yourself and your friends. For registration email me at sumitgirdharwal@yahoo.com Thanks

Books written by Gurudev Shri Yogeshwaranand Ji.

1. Mahavidya Shri Baglamukhi Sadhana Aur Siddhi

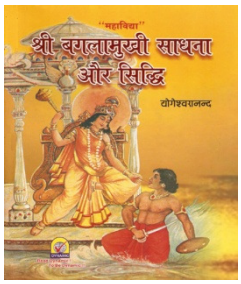

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

2. **Mantra Sadhana**

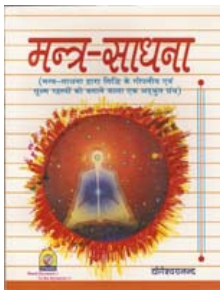

3. **Shodashi Mahavidya** (Tripursundari Sadhana)

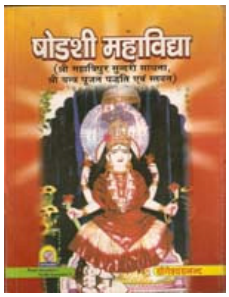

Download other articles on Mantra Tantra Sadhana

1. Baglamukhi Puja Vidhi in English
https://archive.org/download/BaglamukhiMantraJaapPujaAnusthanVidhiEnglishPdf/Baglamukhi-Mantra-Jaap-Puja-Anusthan-Vidhi-English-Pdf.pdf

2. Dus Mahavidya Tara Mantra Sadhana Evam Siddhi
https://archive.org/download/DusMahavidyaTaraMantraEvamTantraSadhana/Dus%20Mahavidya%20Tara%20Mantra%20Evam%20Tantra%20Sadhana.pdf

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

3. Baglamukhi Pitambara secret mantras by Shri Yogeshwaranand Ji
https://archive.org/download/BaglamukhiMantrasInHindiAndSanskrit/Baglamukhi_Mantras_in_Hindi_and_Sanskrit.pdf
4. Bagalamukhi Beej Mantra Sadhana Vidhi
https://archive.org/download/MaBaglamukhiPitambaraBeejMantraSadhanaVidhi/Ma-Baglamukhi-Pitambara-Beej-Mantra-Sadhana-Vidhi.pdf
5. Baglamukhi Pratyangira
https://archive.org/download/BaglamukhiPratyangiraKavachByShriYogeshwaranandJi/BAGLAMUKHI-PRATYANGIRA-KAVACH.pdf

6. Durga Shabar Mantra For Devi Darshan
https://archive.org/download/DurgaShabarMantraInHindiAndEnglish/Durga-Shabar-Mantra-in-Hindi-and-English.pdf
7. Orignal Baglamukhi Chalisa from pitambara peeth datia
https://archive.org/download/BaglamukhiChalisaFromPitambaraPeethDatia/BaglamukhiChalisaFromPitambaraPeethDatia.pdf

8. Baglamukhi kavach in Hindi and English
https://archive.org/download/BaglamukhiKavachInHindiAndEnglish/Baglamukhi-kavach-in-hindi-and-english.pdf

9. Baglamukhi Yantra Puja by Shri Yogeshwaranand Ji
https://archive.org/download/BaglamukhiYantraPoojaFromBaglamukhiSadhnaAurSiddhiWrittenByShriYogeshwaranandJi/Baglamukhi%20Yantra%20Pooja%20From%20Baglamukhi%20Sad

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

hna%20Aur%20Siddhi%20written%20By%20Shri%20Yogeshwaranand%20Ji.pdf

10. Baglamukhi Chaturakshari Mantra Vidhi
https://archive.org/download/SadhanaVidhiOfChaturakshariMantraOfMaBaglamukhi/Sadhana-Vidhi-of-Chaturakshari-Mantra-of-Ma-Baglamukhi.pdf
11. Dusmahavidya Dhuamavai (Dhoomavati) Mantra Sadhna Vidhi
https://archive.org/download/DhumavatiDusmahavidyaMantraSadhanaEvamSiddhi/dhumavati%20dusmahavidya%20mantra%20sadhana%20evam%20siddhi.pdf
12. Mahashodha Nyasa from Baglamukhi Rahasyam Pitambara peeth datia
https://archive.org/download/MahaShodhaNyasa/Mahashodha-Nyasa.pdf
13. Mahamritunjaya Mantra Sadhana Vidhi in Hindi and Sanskrit
https://archive.org/download/MahamrityunjayaMantraSadhanaPujaAnusthanVidhi/Mahamrityunjaya-mantra-sadhana-puja-anusthan-vidhi.pdf
14. Very Rare and Powerful Mantra Tantra by Shri Yogeshwaranand Ji
https://archive.org/download/VeryRarePowerfulMantrasTantrasandSadhana/Very-Rare-Powerful-Mantras.pdf

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

15. Mahavidya Baglamukhi Sadhana aur Siddhi
https://archive.org/download/MahavidyaShriBaglamukhiSadhanaAurSiddhi/MahavidyaShriBaglamukhiSadhanaAurSiddhi.pdf
16. Baglamukhi Bhakt Mandaar Mantra for wealth and prosperity
https://archive.org/download/MaBaglamukhiBhaktMandaarVidyaForWealthAndProtectionFromEnemies/Ma-Baglamukhi-Bhakt-Mandaar-Vidya-for-Wealth-and-Protection-From-Enemies.pdf
17. Baglamukhi Sahasranamam in Hindi
https://archive.org/download/BaglamukhiSahasraNamavali1108NamesInHindi/Baglamukhi-Sahasra-Namavali-1108-Names-in-Hindi.pdf
18. Dusmahavidya Mahakali Sadhana
https://archive.org/download/DusMahavidyaMahakaliMantraSadhanaEvamSiddhi/Kali-Mantra-Sadhana-Evam-Siddhi-in-Hindi-and-Sanskrit.pdf
19. Shri Balasundari Triyakshari Mantra Sadhana
https://archive.org/download/ShriBalaTripuraSundariTriyakshariMantraSadhanaVidhi/Shri-Bala-Tripura-Sundari-Triyakshari-Mantra-Sadhana-Vidhi.pdf
20. Sri Vidya Sadhana
https://archive.org/download/ShriVidyaTripurasundariShodashiBalasundariRajarajeshwariPanchadasiMantraPujaVidhi/Shri-Vidya-Tripurasundari-Shodashi-Balasundari-Rajarajeshwari-Panchadasi-Mantra-Puja-Vidhi.pdf

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)

21. Sarbha Saluva Pakshiraj Kavach

https://archive.org/download/SharabhSarabeswararSaluvaPakshirajKavach/Sharabh%20%28Sarabeswarar%29%20Saluva%20Pakshiraj%20Kavach.pdf

Copyright 2013 @ Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji (www.baglamukhi.net)